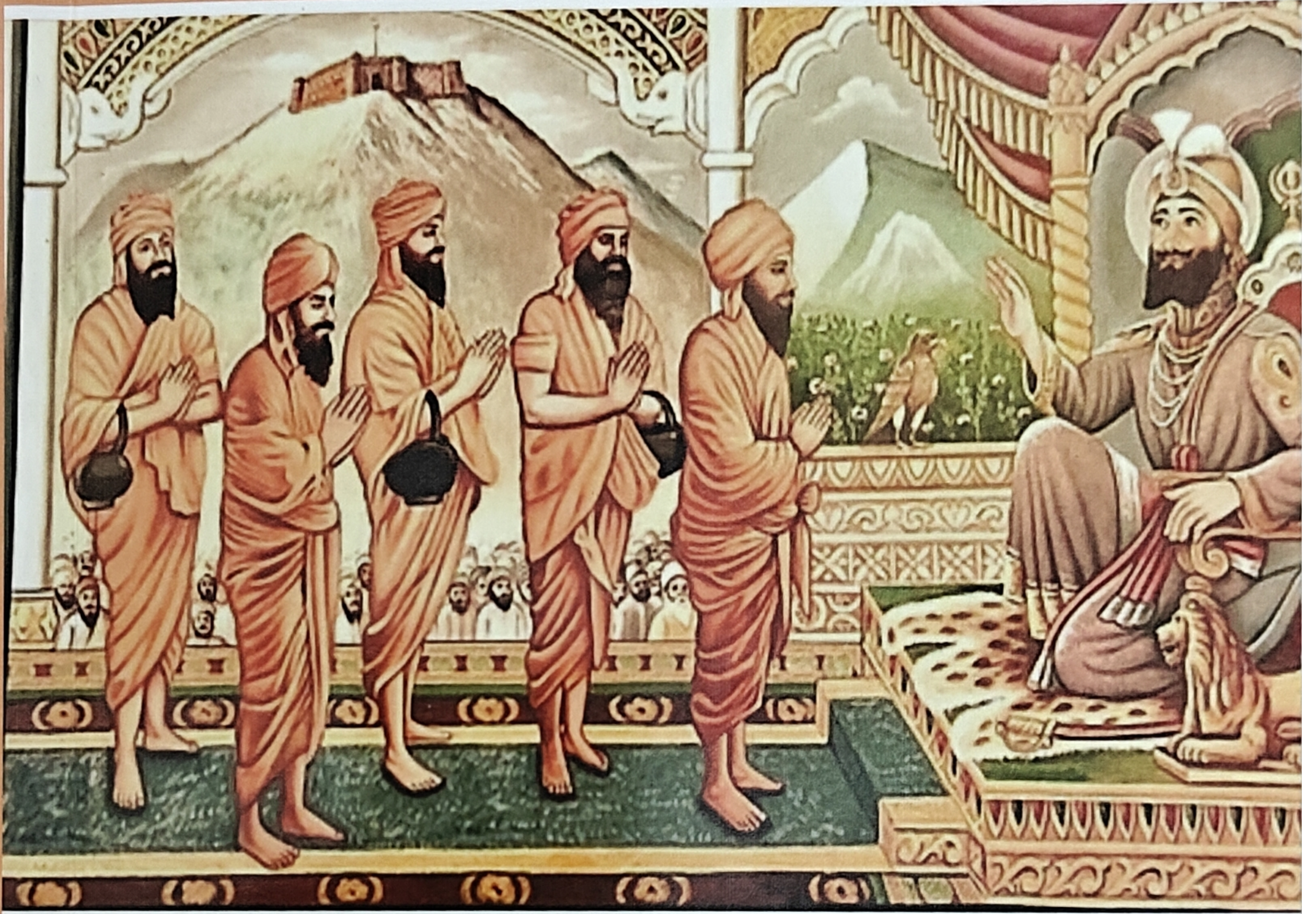


निर्मला पंथ का इतिहास दशा और दिशा



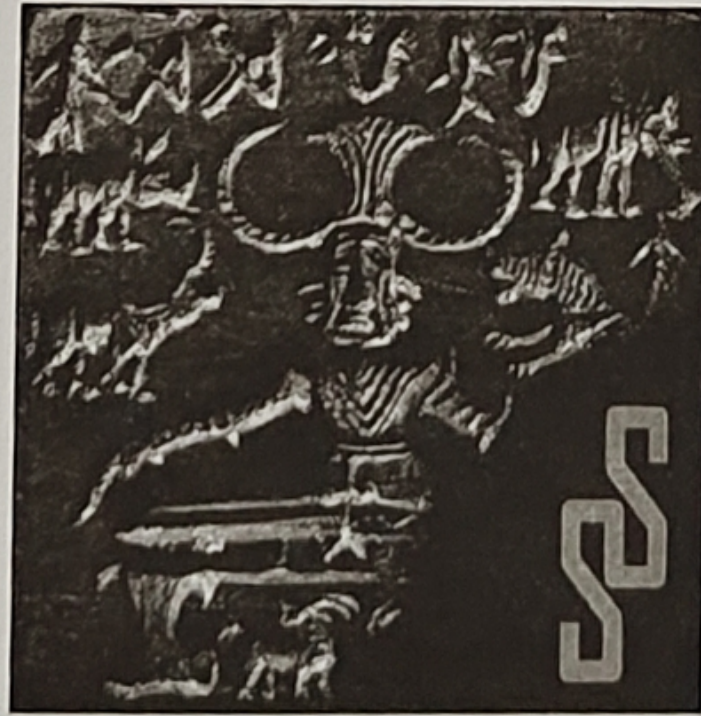
प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री



सप्त सिन्धु फाउंडेशन

निर्मला पंथ का इतिहास दशा और दिशा

प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री



सप्त सिंधु फाऊंडेशन

डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मूलतः अध्यापक हैं, पर कुछ समय वकालत भी की। पत्रकारिता से भी जुड़े रहे हैं। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर के निदेशक रहे। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में ही आंबेडकर पीठ के अध्यक्ष के पद पर भी कार्य किया। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के उपाध्यक्ष भी रहे। वे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलपति भी रहे। आपातकाल का विरोध करने पर जेलयात्रा भी करनी पड़ी। इसी प्रकार तिब्बत की स्वतंत्रता के पक्ष में इंडिया गेट दिल्ली में प्रदर्शन करने पर बंदी बनाए गए। वे भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक हैं। हिंदुस्थान समाचार न्यूज एजेंसी के निदेशक भी रहे। हिंदुस्थान समाचार के संस्थापक दादा साहिब आप्टे के प्रथम जीवनीकार डॉ. अग्निहोत्री की पंद्रह पुस्तकें छप चुकी हैं। जम्मू कश्मीर, गुरुवाणी, आम्बेडकर चिन्तन, वाल्मीकि समाज उनके अध्ययन के विशेष क्षेत्र हैं। दुनिया के अनेक देशों की यात्रा कर चुके अग्निहोत्री आजकल शताब्दियों पहले बंद हो चुकी अंगकोर मंदिर की तीर्थ-यात्रा को म्यांमार, थाईलैंड के स्थल मार्ग से पुनः शुरू करवाने के लिए प्रयासरत हैं। तवांग तीर्थ यात्रा के आयोजक भी हैं। वर्तमान में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष हैं।



978-81-974933-8-6

मूल्य : 200 रुपये